बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2021 में झारखंड देश का द्वितीय सर्वाधिक गरीब राज्य

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नीति आयोग द्वारा बहुआयामी गरीबी सूचकांक, 2021 जारी किया गया है, जिसमें झारखंड को गरीबी के मामले में द्वितीय (बिहार को प्रथम) स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- रिपोर्ट के अनुसार झारखंड के 42.16 प्रतिशत लोग गरीब हैं, जो देश में बिहार (51.91 प्रतिशत) के बाद सर्वाधिक हैं। वहीं केरल देश का सबसे कम गरीब राज्य है।
- झारखंड के 47.99 प्रतिशत लोग कुपोषण का शिकार हैं।
- झारखंड को बहुआयामी गरीबी सूचकांक में 0.202 स्कोर प्राप्त हुआ है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र का स्कोर 0.246 एवं शहरी क्षेत्र का स्कोर 0.067 है।
- चतरा झारखंड का सबसे गरीब ज़िला है, जहाँ की 60.74 प्रतिशत जनसंख्या गरीब है। वहीं पाकुड़ (60.66 प्रतिशत), पश्चिमी सिंहभूम (57.60 प्रतिशत), साहिबगंज (55.93 प्रतिशत) एवं गढ़वा (53.26 प्रतिशत) राज्य के सर्वाधिक गरीब ज़िले हैं।
- पूर्वी सिंहभूम झारखंड का सबसे कम गरीब ज़िला है, जहाँ की केवल 23.99 प्रतिशत जनसंख्या ही गरीब है। वहीं राँची इस मामले में द्वितीय स्थान पर है, यहाँ की 27.7 प्रतिशत जनसंख्या ही गरीब है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jharkhand-is-the-second-poorest-state-in-the-country-in-the-multidimensional-poverty-index-2021